श्री अजय मारू : उपसभापति जी, अपने पत्र में ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए...(**व्यवधान**)...

श्री अजय मारू : *

Conflict on publication of prophet Mohammed's cartoon

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : उपसभापति जी, मैं लोक महत्व के एक अत्यंत ही आवश्यक विषय की ओर सदन का और आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। कुछ दिनों से डेनमार्क के एक समाचारपत्र में छपें एक कार्टून के कारण देशव्यापी चिंता हुई है और आक्रोश भी बना है, यह बात सही है। हमारा निश्चित रूप से मानना है कि प्रेस की आज़ादी का मतलब यह नही है कि धार्मिक आस्थाओं पर चोट की जाए और उनके खिलाफ कार्टून बनाकर, उनका मज़ाक बनाया जाए। चाहे वे लोग किसी भी संप्रदाय के हों, चाहे उनकी उपासना पध्दति कोई भी हो , चाहे वे मुस्लिम हों, हिंदु हों, सिक्ख हों, ईसाई हों, फ्रीडम ऑफ प्रेस का मतलब यह नही होता है कि उनकी धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाई जाए। इसलिए जो कार्टून छपा है, उसकी हम भर्त्सना करते हैं, निंदा करते है।

उपसभापति जी, हम एक बात और कहना चाहते है कि कुछ दिन पहले इस देश के एक बड़े चित्रकार ने भारतमाता के आपत्तिजनक चित्र को पेंट किया था। क्रियेटिव फ्रीडम का मतलब यह नही है कि भारतमाता के चित्र बनाकर इस तरह से offend किया जाए। हम उसकी भी भर्त्सना करते हैं। हम बताना चाहते हैं कि पिछले कुछ दिनों से यूरोप में कभी जूतों पर भारत की बहुत बडी देवी दुर्गा की प्रतिमा पेंट की जा रही है, यह पूरे पश्चिम में जो आस्थाओं पर चोट पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, we condemn it outright और हम सरकार से एक बात जानना चाहेंगे कि सरकार यह बताए कि डेनमार्क में सरकार ने किस प्रकार का प्रोटेस्ट किया है? डेनमार्क के Ambassador यहां पर है, सरकार ने क्या कार्यवाही की है, यह हम सरकार से अवश्य जानना चाहेंगे।

उपसभापति जी, गंभीर पीड़ा के साथ हम एक बात और कहना चाहते हैं कि आप लोकतंत्र में, लोकशाही में प्रोटेस्ट करिए, पीसफुल प्रोटेस्ट करिए, यह हमारा भी अधिकार है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि उत्तर प्रदेश के एक मंत्री ने कहा है कि जो उस कार्टूनिस्ट को मारेगा, उसको 51 करोड़ रुपए दिए जाएंगे और सोने में तोला जाएगा। यह बहुत शर्म की बात है कि एक सिटिंग मिनिस्टर, लोकतंत्र में हिंसा को इस तरह से भड़काए। मैं कानूनी बात नही कहना चाहता हूं लेकिन Indian Penal Code के Chapter 5 में abetment का विस्तार से प्रावधान हैं और धारा

115

*Not recorded.

में लिखा हुआ है कि अगर किसी ने मर्डर के लिए instigate किया तो इसमें Life imprisonment up to death होता है, अगर वह भी होता है, तो 7 साल की सज़ा उसको मिल सकती है । यह क्या बात है कि एक मंत्री इस तरह से openly भड़काऊ बात कहे । हम इसकी भर्त्सना करते हैं और यह डिमांड करते हैं कि उस मंत्री को sack किया जाये । यह तो supari killing की तरह हो गया । हम सरकार से अपेक्षा करेंगे कि वह कृपापूर्वक बताए कि केन्द्र सरकार ने ऐसे कितने गंभीर मामलों में,जो फॉरेन रिलेशंस पर भी डिपेंड करता है, क्या बात की हैं? माननीय उपसभापति जी, अन्त में मुझे यह कहना है कि कल लखनऊ में प्रोटेस्ट हुआ था । हमने पहले कहा कि कार्टून पर प्रोटेस्ट करिए, मगर पीसफुल करिए । लेकिन कल भारतीय जनता पार्टी के लखनऊ के प्रदेश कार्यालय पर हमला हुआ ...(**व्यवधान**)... वे अन्दर घुस आए...(**व्यवधान**)... वहां तोड़-फोड़ की । हम उसकी भी भर्त्सना करते हैं और सरकार से अपेक्षा करेंगे कि कृपापूर्वक सरकार बताए कि इस मामले में, उत्तर प्रदेश के मामले में इस तनाव के कारण जो साम्प्रदायिक सौहार्द्र को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है, जो हमले हो रहे है और जिस तरह से वहां के मंत्री भड़काऊ सुपारी किलिंग की बात कर रहे हैं, सरकार इस पर क्या कार्रवाई कर रही है, क्या हस्तेक्षेप करेगी, क्या डाइरेक्टिव देगी, हम सरकार से यह जानना चाहेंगे?

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, कार्टून के खिलाफ प्रदर्शन में बीजेपी पर हमला क्यों? ...(**व्यवधान**)... सवाल तो सबसे पहले ...(**व्यवधान**)... यह हमको डराने –धमकाने की बात है ...(**व्यवधान**)... हमे डराएंगे, धमकाएंगे, हमारे कार्यालयों पर प्रदर्शन करेंगे । सर, इसके ऊपर गृह मंत्री जी यहां बैठे है, वे ज़रा बताए तो सही ...(**व्यवधान**)... यह हमें डराने-धमकाने का जो प्रयास है...(**व्यवधान**)... यह सफल नही होगा...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड) : उपसभापति महोदय, जिस तरह से मेरठ में,मुरादाबाद में, मुजफ्फरनगर में,हैदराबाद में ये घटनाएं घटी और जिस तरह से ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए...(**व्यवधान**)... मैंने आपकी पार्टी के मैम्बर को बुलाया है...(**व्यवधान**)... मैंने सिद्दिकी साहब को बुलाया है...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : जिस तरह से समाज में उत्तेजना पैदा की जा रही है, इस मामले में हम दुखित हैं, हम द्रवित हैं कि कहीं भी मुहम्मद साहब का अपमान नही होना चाहिए, भागवत गीता का अपमान नही होना चाहिए, होली बाइबिल और गुरू ग्रंथ साहब का अपमान नही होना चाहिए । परन्तु इस तरह से जो प्रदर्शन किया जा रहा है और केन्द्र सरकार मूक दर्शक बनी हुई है, न तो ऐसे आन्दोलनों को ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : सरकार इस पर कहेगी ...(**व्यवधान**)... अहलुवालिया जी, बैठिए...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : संघर्षो को रोक रही है, दूसरी तरफ एक मंत्री जिसने संविधान की शपथ ली है और वे ओपनली कर रहे हैं कि मारो, सोने से तौल देंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : अहलुवालिया जी, उन्होंने बोल दिया...(**व्यवधान**)... रवि शंकर प्रसाद जी ने बोल दिया है ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश) : आपने भी शपथ लेकर बाबरी मस्जिद तोडी थी ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: سر، آپ نے بھی شپتھ لے کر بابری مسجد توڑی تھی ...مداخلت...

श्री उपसभापति : नहीं, आप इस विषय पर बोलिए ...(**व्यवधान**)... इसमें दूसरा विषय मत डालिए ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : सर, मैं रवि शंकर प्रसाद जी की बात से पूरी तरह सहमत हूं। हिन्दुस्तान एक ऐसा मुल्क है और आज हम पूरी दुनिया में गर्व से सर उठा कर चलते हैं, क्योंकि पूरी दुनिया यह कहती है कि हिन्दुस्तान में जिस तरह का सेकुलारिज्म हमने लिया है और जिस तरह से हिन्दु-मुसलमान-सिख-इसाई का हम लोगों ने मिल कर चलने का नमूना दिया है और जिस प्रकार हिन्दुस्तान का मुसलमान आतंकवाद के खिलाफ लड़ा है, आज पूरी दुनिया हमारी तरफ देख रही है और इसके ऊपर हमें गर्व है। इस चीज को हमें मिला कर रखना है। इस देश में जब किसी की तौहीन होती है, चाहे वह पैगम्बर इस्लाम की हो, चाहे वह मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की हो, वह गुरु नानक जी की हो, सारे लोग मिल कर इसके खिलाफ लड़ते है। आज अगर पूरी दुनिया उठ कर खडी हो गई है, पूरी दुनिया के मुसलमान इस पर आवाज उठा रहे हैं, तो हिन्दुस्तान ऐसा मुल्क है, जहां केवल मुसलमान आवाज नहीं उठा रहा है, बल्कि जहां हिन्दु-मुसलमान-सिख-इसाई मिलकर इसके खिलाफ आवाज उठा रहे है। यह हिन्दुस्तान की शान है और हम इस शान को बनाएं रखेंगे। हम इस पर आँच नही आने देंगे। मैं आपसे यह बात कहना चाहता हूं। लेकिन मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि आज जब इस तरह से भावनाएं भड़क रही हैं, तो सरकार का यह फर्ज़ था, क्योंकि यह हिन्दुस्तान का हिस्सा है, कि ये सारे लोग जिनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है, चाहे टिशू पेपर के ऊपर पुरुषोत्तम श्री राम की तस्वीर बनाई जाए, इससे हमारी भावनाएं उतनी आहत है, जितनी पैगम्बर इस्लाम की जब तस्वीर बनाई जाती है, कार्टून बनाया जाता है, तब हमारी भावनाएं जितनी आहत होती है। हमारी सरकार को डेनिश सरकार से सवाल जवाब तलब करना चाहिए था, उनके एम्बैस्डर से पूछना चाहिए था ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : सरकार तो सुनेंगे ना ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिदी सिद्दिकी : मैं आपसे यह कहना चाहता हूं। मैं दूसरी बात आपसे यह कहना चाहता हूं कि मंत्री जी ने बोला है, हम भी उसे अनफॉर्चुनेट और गलत मानते हैं। उन्हें ऐसा नही बोलना

† [ ] Transliteration in Urdu Script.

चाहिए था । लेकिन जब भावनाएं भड़कती हैं, जब गुस्सा आता है, तो मुर्दाबाद के नारे लगते हैं, डेथ टू के नारे लगते हैं, ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : गुस्से को कंट्रोल करना पड़ेगा भई।

श्री शाहिद सिद्दिकी : पुतले जलाए जाते है, इसका मतलब यह नही होता कि कोई उसे मारना चाहता है, बल्कि वह गुस्सा दिखाना चाहता है । मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में बहुत से ऐसे लोग हैं जो भड़काने की कोशिश कर रहे हैं । आज यह कार्टून हिन्दुस्तान में छप गया है ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप इसे नही दिखा सकते ...(**व्यवधान**)... I will not allow it. सिद्दिकी साहब, आप ऐसे कार्टून को डिमांस्ट्रेट नही कर सकते...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : हमारे हाउस को, सदन को मिल कर ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे यह अपील करता हूं कि हम सबको मिल कर इसकी निन्दा करनी चाहिए, रिजोलुशन पास करना चाहिए ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The law will take its own course.

श्री शाहिद सिद्दिकी : डेनिश कार्टूनिस्ट के खिलाफ हम निन्दा का प्रस्ताव पेश करते हैं...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی "اتر پردیش" : سر، میں روی شنکر پرساد جی کی بات سے پوری طرح سہمت ہوں۔ ہندوستان ایک ایسا ملک ہے اور آج ہم پوری دنیا میں گرو سے سر اٹھا کر چلتے ہیں، کیوں کہ پوری دنیا یہ کہتی ہے کہ ہندوستان میں جس طرح کا سیکولرزم ہم نے لیا ہے اور جس طرح سے ہندو، مسلمان، سکھ، عیسائی کا ہم لوگوں نے مل کر چلنے کا نمونہ دیا ہے اور جس طرح ہندوستان کا مسلمان آتنک واد کے خلاف لڑا ہے، آج پوری دنیا ہماری طرف دیکھ رہی ہے اور اس کے اوپر ہمیں گرو ہے۔ اس چیز کو ہمیں ملا کر رکھنا ہے۔ اس دیش میں جب کسی کی توہین ہوتی ہے، چاہے وہ پیغمبر اسلام ہو، چاہے وہ مریادا پرشوتم شری رام کی ہو، چاہے وہ گرو نانک جی کی ہو، سارے لوگ مل کر اس کے خلاف لڑتے ہیں۔ آج اگر پوری دنیا اٹھا کر کھڑی ہو گئی ہے، پوری دنیا کے مسلمان اس پر آواز اٹھا رہے ہیں، تو ہندوستان ایک ملک ہے، جہاں صرف مسلمان آواز نہیں اٹھا رہا ہے، بلکہ جہاں ہندو، مسلمان، سکھ، عیسائی مل کر اس کے خلاف آواز اٹھا رہے ہیں۔

†[ ] Transliteration in Urdu Script.

یہ ہندوستان کی شان ہے اور ہم اس شان کو بنائے رکھیں گے۔ ہم اس پر آنچ نہیں آنے دیں گے۔ میں آپ سے یہ بات کہنا چاہتا ہوں۔ لیکن میں سرکار سے کہنا چاہتا ہوں کہ آج جب اس طرح سے بھاونائیں بھڑک رہی ہیں، تو سرکار یہ فرض تھا، کیوں کہ یہ ہندوستان کا حصہ ہے، کہ یہ سارے لوگ جن کی بھاوناؤں کو ٹھیس پہنچتی ہے، چاہے ٹیشو پیپر کے اوپر مہ یادا پر شوتم شری رام کی تصویر بنائی جائے، اس سے ہماری بھاونائیں اتنی آہت ہوتی ہیں، جتنی پیغمبر اسلام کی جب تصویر بنائی جاتی ہے، کارٹون بنایا جاتا ہے، تب ہماری بھاونائیں جتنی آہت ہوتی ہیں۔ ہماری سرکار کو ڈینس سرکار سے سوال طلب کرنا چاہئے تھا، ان کے ایمبیسڈر سے پوچھنا چاہئے تھا ...مداخلت...

شری اپ سبھا پتی: سرکار تو سنیں گی نا ...مداخلت...

شری شاہد صدیقی: میں آپ سے یہ کہنا چاہتا ہوں۔ میں دوسری بات آپ سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ منتری جی نے بولا ہے، ہم بھی اسے انفورچنیٹ اور غلط مانتے ہیں۔ انہیں ایسا نہیں بولنا چاہئے تھا۔ لیکن جب بھاونائیں بھڑکتی ہیں، جب غصہ آتا ہے، تو مرداباد کے نعرے لگتے ہیں، ڈیتھو کے نعرے لگتے ہیں ...مداخلت...

شری اپ سبھا پتی: غصے کو کنٹرول کرنا پڑے گا بھئی۔

شری شاہد صدیقی: پتلے جلائے جاتے ہیں، اس کا مطلب یہ نہیں ہوتا کہ کوئی اسے مارنا چاہتا ہے، بلکہ یہ غصہ دکھانا چاہتا ہے۔ میں ایک بات اور کہنا چاہتا ہوں کہ ہندوستان میں بہت سے ایسے لوگ ہیں جو بھڑکانے کو کوشش کر رہے ہیں۔ آج یہ کارٹون ہندوستان میں چھپ گیا ہے ...مداخلت...

شری اپ سبھا پتی: اپ اسے نہیں دکھا سکتا ...مداخلت... I will not allow it. صدیقی صاحب، آپ ایسے کارٹون کو ڈمانسٹریشن نہیں کر سکتے ...مداخلت...

شری شاہد صدیقی: ہمارے ہاؤس کو، سدن کو مل کر ...مداخلت... میں آپ سے یہ اپیل کرتا ہوں کہ ہم سب کو مل کر اس کی نندا کرنی چاہئے، ریزولوشن پاس کرنا چاہئے ...مداخلت...

شری اپ سبھا پتی: The law will take its own course

شری شاہد صدیقی: ڈینس کارٹوسٹ کے خلاف ہم نندا کا پرستاؤ پیش کرتے ہیں ...مداخلت...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सदन में ऐसा नापाक काम मत कीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप इसे क्यों दिखा रहे हैं ...(**व्यवधान**)... आप इसे क्यों दिखा रहें हैं, प्लीज ...(**व्यवधान**)...Mr. Shahid Siddiqui, please, don't show it. Why are you showing it?

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश) **:** हम सभी इसका समर्थन करते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिदी सिद्दिकी : सर, ये रोज दिखाए जाते हैं ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: سر، یہ روز دکھائے جاتے ہیں...مداخلت...

श्री उपसभापति : आप इसे मत दिखाइए ...(**व्यवधान**)... Why do you break the law? Please, don't do this. Please, don't do it. You have mentioned it and I have allowed it. Please, don't show it. *...(Interruptions)...*

श्री शाहिदी सिद्दिकी : दिखाएंगे क्यों नहीं, रोज यहां तस्वीरें दिखाई जाती हैं ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: دکھائیں گے کیوں نہیں، روز یہاں تصویریں دکھائی جاتی ہیں...مداخلت...

श्री उपसभापति : मि. शाहिदी सिद्दिकी, देखिए, आप इसे मत दिखाइए, आप तौहीन कर रहे हैं, आप इसे दिखा कर तौहीन कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...You have brought it to the notice of the Government. That is the intention *...(Interruptions)...*

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, these are the emotional issues. We fully agree with hon. Members from the other side that the protests should be peaceful. We fully agree with this, and we have to condemn the voilence wherever it is. whosover has done it we should condemn him. But what had happened in*? Sangh Parivar people, you people *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. That is not the subject *...(Interruptions)...* I am not allowing it *...(Interruptions)...* Mr. Poojary, I do not allow it. *...(Interruptions)...* Nothing will go on record *...(Interruptions)...* Please sit down *...(Interruptions)...* I have not allowed *ft...(Interruptions)...* I have not allowed *ft...(Interruptions)...* I have removed it. *...(Interruptions)...* I have removed * from the proceedings *...(Interruptions)...* Remove it please. *...(Interruptions)...* Please, Mr. Poojary. That is not issue.....*(Interruptions)...* Please sit down.

---

*Not recorded,

† [ ]Transliteration in Urdu Script.

debate, Mr. Poojary. *...(Interruptions)...* You are a senior parliamentarian. This is not a debate. *...(Interruptions)...* this is not a debate. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* I appeal to you. *...(Interruptions)...* Mr. Narayanasamy, what is this? *...(Interruptions)...* I am not allowing any other subject. *...(Interruptions)...*

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सरकार को उत्तेजना को रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए न कि **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, you can debate it at some other time.... *(Interruptions)...* that is not the issue.... *(Interruptions)...* I am requesting you. *...(Interruptions)...* You can take it up at some other time. *...(Interruptions)...*

डा0 मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश) **:** सदन के सभी माननीय सदस्यों ने इस की निंदा की है। **...(व्यवधान)...** ऐसे समय इस तरह की उत्तेजना भड़काना बिल्कुल ठीक नही है। इस तरह सदन के लोगों की भावनाओं **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This matter is being debated with all seriousness. *...(Interruptions)...* Let the Minister reply. *...(Interruptions)...*

अब इस तरह से हमारे डिबेट करने से मसला हल नहीं होगा। **...(व्यवधान)...** यह एक इम्पोर्टेंट इश्यू रेज किया गया **...(व्यवधान)...** हाउस के सेंटीमेंटस इसके साथ जुड़े हैं**...(व्यवधान)...** हर ओर से इसे कंडैम किया गया है, अब इसे खत्म कीजिए। Let Us not provoke this. *...(Interruptions)...*

प्रो0 राम देव भंडारी (बिहार) **:** सर, यह बहुत इम्पोर्टेंट इश्यू है।

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, before the Minister speaks. *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति : प्लीज बैठिए, आप भी बैठिए राम देव जी बैठिए, शाहिद सिद्दिकी साहब बैठिए, तारिक अनवर साहब बैठिए, देखिए This is an emotional issue. My humble appeal to all the hon. Members is, let us not make it an issue which further agravates or raises other feelings. We have had enough of it. Every section of the House has condemned it. Let us condemn the act and let us not take such issues which provoke one another, and then again make it an issue on party lines. We have discussed it in a very dispassionate way. *...(Interruptions)...*

एक माननीय सदस्य : सदन की भावना एक है । ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : एक है, तो मेरी अपील है कि इसे यहां खत्म कीजिए । मंत्री साहब इस पर कुछ कहेंगे । ...(**व्यवधान**)... नहीं, नहीं, देखिए । ...(**व्यवधान**)... आप मेरी अपील के बाद भी ...(**व्यवधान**)... नही, नही, आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)... शाहिदी सिद्दिकी साहब, प्लीज ...(**व्यवधान**)... आप बोलिए ।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : धन्यवाद, उपसभापति महोदय । आपने सही फरमाया कि यह बहुत जजबाती मामला है । मैं सोचता हूं कि सरकार और सदन के सभी सदस्य इस से सहमत होंगे कि हज़रत मोहम्मद पैगम्बर साहब के बारे में जो कार्टून छापा गया है, उसकी जितनी निन्दा की जाये, उतनी कम है ।

मान्यवर, हज़रत मोहम्मद पैगम्बर साहब के बारे में जो कार्टून प्रकाशित किया गया, उसकी भर्त्सना प्रधानमंत्री ऑफिस ने भी की, कांग्रेस पार्टी ने भी की और आज यह पूरा सदन भी कर रहा है । मान्यवर, हम सभी इस बात के पक्षधर हैं कि कोई किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, ऐसा कोई कार्य नही किया जाना चाहिए, जिससे उसकी धार्मिक भावनाओं को, धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचे । जहां तक इस सरकार का प्रश्न है, जब यह कार्टून छापा गया, इस सरकार ने उसी समय, तत्काल, बगैर कोई देर किए डेनिस गवर्नमेंट से आपत्ति जाहिर की थी, जो उनका नई दिल्ली में ऑफिस है । कोपनहेगेन का जो ऑफिस है, उनको इस बारे में सूचित किया था कि जो कार्टून छापा गया है, यह न केवल अत्यंत अफसोसजनक है, बल्कि आपत्तिजनक है । यह सरकार इस बात की पक्षधर है कि कोई भी मजहब से ताल्लुक रखने वाला क्यों न हो, हमारी प्रतिबध्दता है कि धार्मिक सहिष्णुता का पालन होना चाहिए और ऐसा कोई काम न हो जाए, जिससे कि साम्प्रदायिकता उभर सके ।

मान्यवर, प्रश्न एक या दो धार्मिक सम्प्रदायों का नही है, यह सारे धार्मिक सम्प्रदायों का मामला है । जैसा कि मैंने प्रारम्भ में निवेदन किया कि कोई किसी भी मजहब को मानने वाला क्यों नहीं, हमारे भारत की यह परम्परा रही है कि हम ऐसे किसी भी कृत्य में शामिल नहीं होते, जिससे कि एक धर्म के अनुयायी कोई ऐसा काम करें, जिससे दूसरे घर्म के अनुयायियों पर किसी भी प्रकार से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचे, आघात पहुंचे । यह जो कार्टून प्रकाशित किया गया है, यधपि इस पर प्रधान मंत्री ऑफिस से इस मामले में काफी अफसोस जाहिर कर दिया गया है, कांग्रेस पार्टी की तरफ से इस पर घोर आपत्ति जाहिर की गई है, फिर भी मैं इस सदन में सरकार की तरफ से इसकी घोर निन्दा करता हूं । सरकार इसको बहुत गम्भीरता से लेती है ।

जहां तक हमारे माननीय श्री रवि शंकर प्रसाद जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के एक माननीय मंत्री जी ने इस सम्बन्ध में कुछ बातें कही हैं, तो मैं इस मौके पर केवल यही कहना चाहूंगा कि हम यह अपेक्षा करते हैं कि सांवैधानिक पद पर बैठा हुआ कोई भी व्यक्ति क्यों न हो, वह संविधान के दायरे में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे और ऐसा कोई गैर-जिम्मेदाराना, भड़काऊ या उत्तेजक वक्तव्य न दे, जिससे कि किसी भी प्रकार की अनहोनी बातें हो सकें।

श्री बलबीर के0 पुंज (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, यह जो भारत माता का अपमान हुआ है...(**व्यवधान**)... हुसैन द्वारा। ...(**व्यवधान**)... यह तो ठीक है, लेकिन भारत माता का अपमान किया गया है, उसके बारे में मंत्री जी को कुछ कहना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : सब के लिए हो गया। ...(**व्यवधान**)...

श्री बलबीर के0 पुंज : क्या यह सदन केवल प्रोफेट मोहम्मद के ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : नहीं, नहीं, सब के लिए है। देखिए, यह सब के लिए है। Bill for introduction. (**व्यवधान**)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Bill for introduction.

GOVERNMENT BILLS

The Government of Union Territories and the Government of National Capital Territory of Delhi (Amendment) Bill, 2006

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATH): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Government of Union Territories Act, 1963 and the Government of National Capital Territory of Delhi Act, 1991.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI SHIVRAJ V PATIL: Sir, I introduce the Bill.

श्री बलबीर के0पुंज (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, भारत माता का अश्लील चित्र बनाया गया, इसके बारे में यह सदन क्या चुप रहेगा? ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. We have moved ...*(Interruptions)*...